41 करोड़

पटना स प्रतिदिन

निकलैयवाला कचरा आब

नगर निगम लेल समस्या

नहि रहत, प्रतिदिन ४०० टन

कचरा के प्रबंधन पर निगम

41 करोड सर्च क रहल

अछि, निगम पटना-यसा।

रोड़ पर वैरिया में 50 एकड जमीन पर कचरा के

प्रसंस्करण करवा लेल एकटा यूनिद स्थापित क रहल अछि, निगमक योजना

अछि जे प्रतिदिन जमा हो इयाला कचरा स 60

मेगावाट विजली बनाउल

जैत. एहि काज लेल किछ्

निजी कंपनीस गप भ रहल

जलापूर्ति पर

खर्च होयत

32 करोड

पटना में जलापूर्तिक 19 टा

योजना पास में गेल अधि.

एहि योजनाके पूरा करवा में

32 करोड़ टाका खर्च होयत

योजना सं पश्चिम आओर

दक्षिण पटना विशेष क्रम स

लामान्वित हायेत. एडि

विस्तिय वर्ष में एहि योजना

लेल 15 करोड टाका देल

जा व्कल अप्ति आशा अप्ति

अगिला दू साल में इ काज

बेली रोड मे

बनत उपरि पूल

पटना क बेली रोड में 50

करोड़क लागत स उपरि

पुल बनत. इ पुल शहर म

दसम उपरि पुल होयत,

राजेंद्र नगर में उपरि पुल पहिने स अधि, चिडेयाटार

में नवका पुल बनि रहल

अछि एकर संगहि सात टा और पुल बनि रहल अछि,

जाहि में से पांच टा एहि

साल चालु भ जायत आशा

करेत छीं जे पटनाक रोड

स जाम हटत

पूरा भ जायत



विशेष बाजार शहरी फेरीयाला सब लेल पटना नगर

निगम एकटा विशेष बाजार बना रहल अप्ति. वेंडर मार्केट नामक इ बाजार मुख्य रूप से फूटपाती दुकानदार के बेहतर यानावरण देवा लेल बनाउल जा रहल अप्ति पटनाक भीडवाला इलाकाक लग मे वेडर बाजार लेल जमीन ताकल जा रहल अधि विभागक सूत्रक अनुसार 2008क अत घरि इ बाजार बनी के तैयार ी दिल्ली हाटक तर्ज पर

बनत पटना हाट बाकीप्र जेलक आशापसक इलाका बदली

रहल अधि जल परिसर क आसापास दिल्ली हाटक तर्ज पर पटना हाट बनाउल जा रहल अछि, एहि सबंध में विहार स्टेट ट्रिंग डेवलपेट कॉरपोरंशन आओर सीसीआइसीआइ क बीच उमआयू पर हस्ताक्षर केल गेल अधि एहि हाटक खुलला स मिथिला चित्रकला समेत बिहारक लोककला के लेल बिहार में एकटा नीक बाजार उपलब्ध म जायत.

तरकारी लेल बनत टर्मिनल मार्केट

बिहारक किसान के सबसे बेसी दिक्कत बाजारक अधि सरकार किसानक सुविध लेल राजधनी पटनाक आसपास तरकारीक टर्मिनल यना रहल अछि, योजनाक अनुसार 70 एकड मूर्मि मे बनि रहल टर्मिनल में किसानक लेल कोल्ड स्टोरेज आ तहरैक सेही व्यवस्था रहत पब्लिक -प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत 59 करोडक लागत स टर्मिगलक निमार्ण म रहल अछि, टर्मिनलक लंल पांतहरी कृषि

फार्यक 50 एकड़ जमीन लेल गेल अछि. सरकारक अनुसार जंकरा लग 75 एकड वामीन अछि ओ अपन दर्मिनल सेहां वना सकेत अधि तीन टा मल्टीप्लेक्स

बनब शुरू राजधानी पटना में कुल तीन टा मल्टीप्लेक्स बनव शुरू म गेल एतिहासिक

मोना टूटि रहल अछि. ओकर जगह पर मल्टीप्लेक्स बनत एकटा मल्टीप्लेक्स ककडबाग में यनि रहल अधि, एकटा पाटलिपुत्र में बनि रहल अछि. ओना ओकर काज शुरू नहिं भ सकल अछि, मुदा आशा करेत छी जे जल्द शुरू होयत हुडको बनाओत मकान

ग्रेंटर पटनाक इलाका विकसित हुए

लागल फुलवारी,दानापुर व खगील में हुडको नुर्ग योजनाक तहत 700 स बेसी मकान बना रहल अछि, एडि काज लेल हुड़कों के कुल 48 करोड़ से बेसी टाका खर्च करवाक छैक मकान बनेवाक संग-संग नाला, पाइन आओर कजराक प्रबंध सहो करवाक जिम्म हुडको के देल गेल अफ़ि इ मकान मुख्यकप स झोपडी में रहेरावाला गरीब लॉक के देल जायत आम लोकक आपत्ति निवटाउल गेल

140 से 340 वर्ग किमी में पसरत शहर

700 एकड जमीन हायेत अधिप्रहित विकसित होयत 90 टा नव मोहल्ला

पुरान मकान आ दुकान सजाउल जाइत

जगहरक अनुसार सड़क चौड़ा केल जायत सब गोहल्ला में हायत पार्क आ पार्किंग

अशोक राजपथ चारि लेन के बनत

बसय लेल एक बेर फेर उजरत पटना पटना : पटना एक बेर फेर बसत गरीब जिं इलाका में रहेत अछि

सवाल उटैत अछि जे

नव शहर के बसाउत ?

निजी बिल्डर या फेर

सरकार सरकार एखन

धरि राजेंद्र नगर आओर

कृष्णापुरी बना चुकल

अछि. कंकडबाग एकटा

एहन योजना रहल जे

शुरू होड़ स पहिने

असफल म गेल, राजेंद्र

नगर आओर कृष्णापुरी

आदर्श नहि कहल जा

सकेत अछि, एहन मे

अगर फेर सरकार नव

पटना कें बसेबाक सोचि

रहल अधि त ओकर

स्वरूप तय अछि.

नव कप स बसेवा लेल पटनाक किछ् हिस्सा उजरि जैत, ओना इ योजना एखन सरकार लग अछि. मुदा जल्दिह जमीन पर सतिर जायत. योजनाक अनुसार ग्रेटर पटना ग्रेट पटना स तीन गुना बेसी पैघ होयत वानापुर स फतुहा आओर हाजीपुर स बेउर नहर पार तक बसेइवाला नव महर में 90टा नव मोहल्ला बसाउल जायत. भूमिगत नाला जाओर भूमिगत बिजलीक तार लगैवाक काज आरंग अप्रि. योजनाक अनुसार शहर स रोजाना निकर्लयपाला во टन कचराक प्रबंधन विशेष व्यवस्था केल जा रहल अभि कचरा के एक वाम जमा करि ओकरा स किछ् बिजली बनेवाक सहो योजना अछि एडि लेल पटना-गया मार्ग पर जमीन ताकल जा रहल अप्ति. शहर सुव्यवस्थित करवा लेल अशोकराजपथ सहित अनेक एतिहा. सिक जगह के बदलल जैत. किछ सरकारी मकानक रूप रंग रोहो बदलि जायत.

रूप में देखल जा सकैत अक्रि योजना में झुग्गी- झोपड़ी में रहनीहार लोक लेल विशेष

आनाओ पटना कालेज आ दरमंगा हाउस अध नय

जगह अधि गरीब लांक ले खास प्रकारक मकान बनाउल जेत. इ मकान हर इलाका में बनत, जाहि स

एक इंडाए एकड वानपुर के

योजना में बाजार लंल स्पष्ट नीति बनाउल येल अंछि तरकारी लेल सब

ओहि इलाका में ओकरा मकान मेटि

मोहल्ला में विशेष बाजार बनत, जखन कि एकटा टर्मिनल बतन जतय थोक मात्रा में तरकारी बेचल आ किनल जायत. एडिना पुटपाथ पर लगैयवाला बाजार खत्म केल जायत. एहन दुकानदार लेल राजधानीक किसु इलाका में वेंडर मार्केट बनत. एहि लंल किसू रप्यान के चयन केल आब सवाल उठैत अछि जे नव शहर के बसासत. निजी बिल्डर या फेर

सरकार सरकार एखन घरि राजेंद्र

नगर आओर कृष्णापुरी बना चुकल अप्ति. कंकडबाग एकटा एहन गीजना रहल जे शुरू होड़ स पहिने असफल म गेल. राजेंद्र नगर आओर कृष्णापुरी आदर्श नहीं कहल जा सकत अधि, एडन में अगर फेर सरकार नव पटना के बसंबाक सोचि रहल अछि त ओकर स्वरूप तथ अछि. नव पटना के बरोवाक जिम्मा

अगर निजी बिल्डर के देल जैत त अग्ना करिसकैत छी जे दिल्ली आओर बेगलुरु सन मोहल्ला पटनो में बनत. देशक पैघ बिल्डर एहि काज लेल तैयार छैथि। चम्मेद केल जा रहल आछि सरकार एहि संबंध में जल्द फैसला लेत मर्दनीबागक इंलाको पूरा बदलि

 34 सी एकड बाइपास स दक्षिण एक हजार एकड कतुहा रेलवे स्टेशनकं आसापास व द हजार एकड हाजीपुर में

दीघाक इलाका पटना दानापुर रोडक दुनु भाग नव मोहल्ला बनत पहलेजा आब पटनाक मोहल्ला बनत

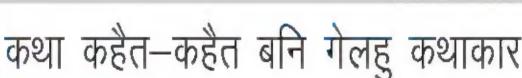
पोल आओर तार स छुट्टी भेटत राजधानी पटना के सुदर बनावा में सरकार कोनो कोर कसैर नहि

छोडी रहल अप्ति. ओझरायल तार आओर डेग-डेग पर गारल पोल आब पटनाक कोनो मोहल्लस में नहि मेटत सरकार जमीनक भीतर तार गाइबाक कार्य आरंम क चूकल अप्ति. बेली रोड सहित पश्चिम पटनाक इलाका में तार गाड़बाक काज तेजी स वित रहल अछि इ काज के तीन माग मैं पूरा केल जायत. पूरा काज होबा में लगमग चारि सालक समय लागत. कहल जा रहल अछि जे पोल आओर ओहि पर लटकल तार से पटना के मुक्त करवा में 1900 करोड़ टाका खर्च होयत. डम्मीद केल जा रहल अछि जे नव व्यवस्था स बिजलीक चोरी रुकत, मुदा आशका इ अछि जो अगर माटी कोरि के अगर कियो चोर केंबुल स बिजली चोरंबाक प्रयास करत त ओकर जानक सग- संग पूरा । हरक जान पर खतरा आबि जायत, ओनाओ केंबुल साट केलापर की डोयत एकर अंदाजा लगेब कठिन अछि. बतकुच्चन

गंगाक कछैर मे बनत मैरिन ड्राइव राजधानी पटनाक विकासक लेल अनेक योजना बनि रहल अधि, एहि योजना में सबसे महत्वपूर्ण योजना अछि गमाक कर्छर में बनैयवाला मैरिन हादव

ओना इ योजना बहुत पुरान अछि. 1970 के आसपास इ योजना पर पहिल बेर विवार केल गेल. सरकार टाका सेहो जमा केलक. मुदा सवाल उठल जे परिने गंगा पर पुल बनाउल जे या कछैर में रास्ता. कारण इ जे केंद्र सरकार पटना- हाजीपुरक बीच प्रस्तावित गंगा पर पुल लेल कोनी सहायता देवा लेल तैयार नहि भेल. अत्ततः राज्य सरकार अपनिह दम पर महास्मा गांधी सेतुक निगार्ण केलक दरअसर जे टाका स गांधी सेतुक निर्माण मेल जो मेरिन ब्राह्य लेल जमा केल मेल छल तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्ननाथ मिश्र पुल के पूरा बनवा स पूर्व प्रधानमन्त्री इंदिरा गांधी स उदघाटन करहा अपन पद त बंबा लैलेथि, मुदा केंद्र स पुल पर खर्च भेल टाका नहि मांगी सकतीच्य अपूर्ण पुल चालू म गेला स पुल समय स पूर्व जर्जर म गेल नव सरकार सडक आ पुल दूनू बना रहल अछि.





समाद, पटना, 16 जनवरी, 2008

खट्टर काका कहलनि

पैरवी पुत्रक पहिल उदाहरण छथि गणेश खदुटर काका नीतीश सरकार पर तमसायल छथि. योग्यताहीन पुत्रक

बिहार में लाखक संख्या में नौकरी पैदा भय रहल अछि, मुदा पैरवी पुत्रक उपेक्षा काका स आब बरवाश्त नाहि भय रहल छैन. काकाक कहैत छथि जे नीतीश हिंदू सम्यताक खिलाफ काज कय रहल छथि साक्षात महादेवक बनाओल परंपरा आह बिहार में खतम मय रहल

नौकरी लेल बढ़का स बढ़का अधिकारीक पैरवी नहीं चलि रहल छैन,

अधि, महादेव आऔर पैरवीपुत्रक! ऐहि परंपराक संबंध में काका के अपनिह सक्ते छैन. काका कहेत छथि कि महादेव पहिल पिता छलाह जे अपन कोनो काज करबा में अयोग्य अपन पुत्र के पैरवी से एकटा महत्वपूर्ण पद पर नौकरी धरा देलेनहि विस्तार स पूछला पर काका पोथि

ऐहि परपराक जनगक एक दिन महादेव ध्यान में छलाह. गौरी आबि बगल में कहलखिन जे ध्यान में रहला स बेटा नाहि सुधरताह कार्तिक अपन ज्ञान आओर स्वमाद स नौकरी पाबि गेलाह, मुदा गणेश क किछु में मोन नाहि लगैरा छैन. मिन्नो नीक नाहि छैन. जीवन केना बलतैन. गहादेव किछु सोचलाक बाद धीरे से कहलेत, देखेंत छी की श्रय सकेत

उलटावै लगलाह, कुछ पन्ना उलटेलाक बाद कहलैनि सुनह खिरसा

श्रेक. मुदा गौरी कतय मानै वाली, ओ तुरंत ब्रम्हा कय समाद देलखिन. कि महादेव भेंट करय चाहैत छथि, महादेवक समाद स्नि बम्हा चितित भय कैलाश पहुंचलाह. महादेव हुनका देखतहि कहलैथि, गौरीक जिदक आगृ हम विवश जी, गणेश के कोनो नौकरी नाहि मेटतैन, प्रम्हा किछू सोचलाक बाद करलीय, हे नीतिश गणेश अपनेक पुत्र छीय, हुनका लेल नीकरीक कोन कमी, मुदा हमर विभाग में जे पद रिक्त अछि ओ अहाक पुत्रक लायक नहि अफ़ि गणेशक लेल विष्णु के कियेक नाहि कहैत छिथेन, अच्छा, हमहि विष्णु स गण करेत छी. ह कहि बम्हा कैलाश स सीधा विष्णु लग गैलाह गणेशक नौकरीक सबय में सुनि विष्णु माच पकढ़ि लेलथि, कहलैथ जे गौरी व महादेवक पुत्र गणेश के कोनो नौकरी नहि दय सकत छी, दरअसर ओ कोनो जोकरे नाहि छैचि, भूदा ह गए महादेव आ गीरी स कहत के? बम्हा करलेथि, इ सब गप ठीक अष्टि, कार्तिक लेल

महादेव कहियों मुह नाहि खोललीय, हुनक मुहक लाज त शखह आधिर आ अपन सबहक मित्र आ एकटा पैध पदाधिकारी छीथे माथि 1日日 Harry कहलैनि, मुदा गणेश चफ्लसी त नाहि बनता? आओर पदाधिकारी जोकरक हुनक डिग्री नाहि अछि अहि कहू महाद वक पुत्र छोट पद पर कोना काज करि सकताह, महादेवक इज्जातक किछ त घ्यान राख्य पहत. मुदा नौकरी त कोनो दियए पहत. इद्र स रिक्त पदक फाइल मंगा के कोनो जोगार करेत छी। विष्णुक समाद पावि इद्र तुरत हाजिए मेलाह. स्वर्ग मे रिक्त

अर्धात दोच मैग. हारपाल, महादेवक पुत्र हारपाल बनताह, विष्णु तमसाह गेलाई. विष्णु के शांत करेत ब्रम्हा कहलैनि गणेशक योग्यता एडि स उपर नाहि अप्ति आओर रिक्त पद सेहो एकेटा अछि. एहन में इ नौकरी गणेश लेल ठीक रहत.

तीन् गोटे कैलाश पहुंच महादेवक सामने प्रस्ताव रखलैथि.

पदक संख्या पूछला पर इंद्र घीरे स कहला , एकटा, से हो झारपालक

महादेव गर्मार भय गैलाह, कहलिन गौरी के स्वीकार छैन त हमरा कोनो हर्ज नाहि गीरीक एत्तर नाहि मैं छल कहु त एकटा भय पदाधिकारी रहतेय आ दोसर द्वारपाल, जगत में कोई गणेश के इज्जत करतैय. हमए बेटा क त पेटो नाहि मरत. गौरी के शात करेत विष्णु कहलेत, नाहि एहन नाहि हैतेई गणेश सामान्य द्वारपाल नाहि हेताह. स्वर्ग में विराजमान कोनो पवाधिकारी

अर्धात 'भगवान' से भेंट गणेशक आज्ञा से होयत. बिना गणेशक अनुम,

तिक कोगों भगवान स मेंट नाहि होयत. इंद्र कहलेथि, स्वर्गक द्वारपाल

अधिनियम में संशोधन होयत. आब कोनो काजक आएंम गणेशक अनुम.

ति से होयत. महादेव कहलाह, बस करु, बहुत भेल, एतेक अधिकार

त कोनो भगवान लग नाहि अछि. गणेश काफी पावरवाला पद पाबि गेलाह. गीरी सेहो प्रसन्न भेली. आ जन्म भेल पैरवीपुत्रक परपरा जे आह धरि चलि रहल अछि. पैस लोकक बुरियाइल अर्थात बिगन्डल बेटाक नौकरी लेल नियम-कानून तक बदलि देल जाइत छैक. मुदा बिहार में इ खतम न रहल अछि. काका एकर विरोध करि रहल छैथि काका के इच्छा छैन जे अह विरोधक श्री गणेश करि 🚄 समदियाक पन्ना

ब्रिटेनक आर्थिक इतिहास

दरमंगाक जमींदार महाराज कामेश्वर

मैथिली में साहित्य अकादमी पुरस्कार-2006क लेल चयनित प्रदीप बिहारी से मेंटवार्ता प्रति जिम्मेदारी बढ़ि जाइत अछि समदिया पटना : मैथिली कथासंग्रह सरोकार कं



🛚 दहेज प्रथा के खतम करवा लेल प्रेम विवाह जरूरी

पटनीयताक कमी

ओतवे कागजो पर उतरेत अछि • 21वीं सदी मे पहचान बचेवा लेल संघर्ष करए पड़त • समयक संग बदलल साहित्य क भविष्य



नहि भेल जे भोगैत छी.

प्रदीपक अनुसार हुनक लेखन में कोनो पैध लेखकक प्रमाव नहिं अछि, मुदा हरिमाहन लंल साहित्य अकादमी स एहि साल पुरस्कार पावैयवाला नवतुरिया कथाकार प्रदीप बिहारी कहानी लिखवा स पूर्व कहानी सुनवंत छैलाह 25 फरवरी के

प्रदीप के दिल्ली में साहित्य अकादमीक सम्मान भेटत प्रदीपक अनुसार नेनाकाल में ओ अपन दादी के मिधिला-मिहिर मे छपल कहानी सुनावैत छलाह श्री बिहारी कहैत छिथि जो कहानी सुनैवाक कला धीरे-धीरे कहानी लियाद्यक में बदली गेल. महज 13 सालक प्रदीप संकोच नामक कहानी लिखलाह इ हुनक पहिल प्रका शित कहानी अधि, संकोच लालधुआ नामक पत्रिका में छपल, श्री बिहारी के कहब छैन जे मैथिली में कहियो पडनीखताक कमी नहि रहले. आइ स दस वर्ष पूर्व धरि किछ् हद त छल. लोक किताब किनदा स कतरेत रहिंध, मुदा आह मैथिलीक किताब काफी बिका रहल अछि. प्रदीपक एखनि घरि तीन टा कहानी सग्रह द् टा उपन्यास आओर लघु कथा संग्रह

बेगुसराय स्थित बैंक में नौकरी करेत छीं प्रदीप कहेत छेथि जे हुनका समीद नहि छल जे पुरस्कार लेल हुनकर चयन होरात. ओं एहि सम्मान के अपन रचना यात्रा में एकटा बाधक के रूप में देखेल छीए। हुनक कहब छैन जे एहन पुरस्कार मेटला पर एकटा लेखक के समाज आ साहित्यक

मचुबनी जिलाक खजीली गामक कन्हाँली

मल्लिक टोलाक रहनिहार प्रदीप संप्रति

प्रकाशित गय चुकल अधि.

झा, जीवकांत, रेणू जेहन किंघु लेखक स ओ जरूर प्रभावित छेथि, एखन थरि प्रका शित अपन रचना में प्रदीप के मकड़ी आ सरोकार संतृष्ट करैत छैन ओना प्रदीक कहब छैन जे हुनकर सबसं नीक रचना एयाक बाकी अछि. मकड़ी के संबंध में कहल जाइत अछि जे महिला दिमर्श पर अधारित इ रचना लिखबा स पूर्व प्रदीप लगमग दू साल तक शोध केलाह सरोक ार मुख्य रूप से सिमरिया घाटक खिस्सा अधि. एहि रचना में देखाओल गेल अधि कि केना एकटा अनपढ आदमी पढल-लिखल लोक स बेसी पर्योवरणक चिता करेत अपि रक्ता लेल विषयक चयन के सबंघ में प्रदीप कहैत छिथ जे ओ जे भोगैत छैथि ओतवे लिखेत छथि. हुनक मत अछि जे मिथिला में राक्षक रूप लय चुकल दहेजक

जन्मूलन लेल प्रेम-विवाह क बढावा भेटवाक वाही. प्रेम-विवाह स बहुत समस्याक समाधान भय सकत अछि. प्रदीपक कहब छैन जे समयक संग जे समाज बदलि जाइत अछि ओ समाज आग् बढ़ैत अछि. मुदा 21पीं सदी में वैश्वीकारणक एहि दौर में अपन पहचानक प्रति साहित्यकार के सचेत रहब आवश्यक अछि प्रदीप के अनुसार मैथिलीक नवतुरिया साहित्यकार सेंडो सचेत छीटा एडि कारण मैथिली साहित्य भविष्य सुरक्षित अछि



म : गीनू बाबू हमर बेटाको पत्ने मे मोन नहिं लगैत अधि कोना निराकरण बताज

जारा आओर अपन वरीय पदाधिका.

रिक गुणगान सुनाउ.

योनु : खानदान में नेताक जनम मेल अछि. निश्चित रह प्र: गोन् वाब् कार्यातय में एकटा सहयोगी बोस लग बैसि हरदम हमर निंदा करेत अछि. हल बताउ.

योन् : अहां अपन कोनो कठिन काज बिना हुनका पुसनं पूरा निंड कक खासकर ओएह काज जेकर निर्णय কবিন अछि प्र: हमरा एकटा मित्र से टाका वसमलकाक अधि हल सुझाउ

गोन् : क्षांकरा गोन् जाक खिस्सा सुनात

प्राः गोन् बाब् कनिया स बचवाक

एकटा महाराज जे उद्योगपति छलाह

गोन् ! अपन पड़ोसी होटलक मगसिया गोनूक झाक अट्टारहम पीढ़ी मधुबनी जिलाक हाटी गाम मे बसैत अछि. इ सलाह हुनक एकटा वंशज स लेल चोट पहुंचत त अपनेहि कविता बनी गेल अछि

के पटाच आओर ओकरा स मसाला अधिक खर्च कराज 🛙 ः गोन् वाब् हम किसान छी, मुदा किसान रत्न पुरस्कार नहि मेटैत गोन् : नदिक कछर में खेती करू. बादिक दावा ठोकू जे कहांक खेत समृद्ध छल. सरकार मानि लेत. प्र: गांनू बाबू विदेश जे जाहैल छी गोनू : नेट पर बैस महिला मित्र बनात अबैय-जयके खर्चा सेहो भेटि जायत. प्र: यानू बाबू कवि बनय चाहैत छी। शस्ता बताउ? **गोन्** कोनो युवती स स्नेह करू

समाद, पटना, 16 जनवरी, 2008

एकटा आओर प्रतिमान

देशक पहचान आ मध्यम

वर्गक अप्पन कार छी नैनो

अदद स्कूटर पर आगू में बच्चा, पिता चलबेत आओर पासू

में किनया आ ओकर कोरा में बच्चा जे बूदा-बूदी स बचवा

लेल माय के आंचर में नुकारल छल. टाटा ओहि क्षण तय

केलिथ जे एहन परिवार लेल एकटा कार बनाओल जाए, जे

रकट्टर स किछ बेसी टाका में लोक कीन सकए, टाटाक इ

संयना पूरा भारतक संपना बनि गेल. टाटा लगातार पांच

साल तक अपन 500 अभियंता आऔर 1500 करोड़क पूजी

स एहि सपना के पूरा करबा लेल दिन-राति लागल रहला.

एक लाख टाका में कार बेंबवाक हुनक प्रतिज्ञा पर दुनिया

भरिक लोक हंसी चखेलक, मुदा टाटा आओर भारतीय

मध्यम वर्गक आशाक डोर नहिं टूटल. अंतत: 10 जनवरी,

2008 के नैनोक रूप में लखटकिया कार शामने आएल.

नेनों के दुनियाक सामने आनंत टाटाक आंखि छलेक गेल.

दुनियाक कार उद्योग चकित म गेल. दुनिया भरिक मीडिया

लिखलक जे इ काज भारते में भ सकेंत छल. टाटाक

अलावा केओ एतेक कम मुनाफा में कार बेचवाक हिम्मत

नहि जुटा सकेत अधि, अमेरिकी लेल जेना माउल-टी छल,

तहिना नैनो सेहो भारतीय षध्यम वर्गक अप्पन कार छी

त दुन् गोटे जनता लेल कार बनोलनि, मुदा फोर्डक सोच

छल जे एकदा एहन कार बनाबी जे हुनक कंपनी में काज

कॅनिहार सम कर्मचारी ल सकए एहि सीच पर माडल-टीक

निर्माण कएल गेल. माडल-टी बाद में अमेरिकाक आम

लोकक कार बाने गेल. माडल-टीक ठीक सी साल बाद टाटाक नैनो आयल, आम भारतीयक लेल अप्पन कार

इतिहास दोहरायल, मुवा संगष्टि बतौलक जे एष्टन काज सौ

साल में एकहि बेर म सकत अछि लाख टाकाक ह कार दुनिया में सब स सस्त अष्ठि. एहन कार बनेबाक कल्पना केनिहार मात्र टाटा नहि छथि, इंटली आ जर्मनी में एहि पर कतेको शोध मेल, मुदा कहल येल जे एक लाख मे कार नहि यनि सकेत अधि, ह कहियो पूरा नहि होदवाला सपना

अष्ठिः भारत में इ सपना सच मेल, टाटा पूरा दुनियाक सोच

के पृत्ति साबित क देलिय.

नैनो दुनिया मरि मे जनकांति आनि देलक. आशा कएल जा

रहल अधि जं इ सामाजिक बदलाव बनएवा में महत्वपूर्ण

धोगदान देत, ओना किसु पर्यावरणविद एकरा स पर्यावरण

के होड़वाला खतराक प्रति आगार कएलिन अपि मुदा

तकनीक आंकरो हल समयक सग निकालि लेत. भारत सन

विकासशील देशक लेल नैनो हेनरी फोर्डक माडल-टीक

जेका मात्र एकटा कार नहिं धिक, इ देशक एकटा पहचान

आ मध्यमवर्गक गुमान छी. एति मे वू मत निष्ठ जे नैनो

भारतीय अर्थव्यवस्थाक संगृहि परिवहनक वृत्रिया के बदलि

के राखि देत. निश्चित रूप से नवंदर में जखन इ कार

विहार में आओत त बिहार में आधारमूत संरचना तैयार

करबा लेल सरकारो यंग्रीर होयत. इ आशा हमरा सम के

करबाक चाही

फोर्ड आओर टाटा में एकटा अंतर अंकि. ओना

सिंहक खदाहरण एकटा एहन लमीदारक रूप में भेदेत अछि जे जमीदारी स बेसी एकटा उद्यमीक रूप में अपना के स्थापित करवा में

आओर सिलिंगक नाम पर महाराज के घेरवा में सफल मेल.



कॅलेधि कोलकाता अओर पटना में अपन प्रकाशनक माध्यम से सूचना कांतिक शुरुआत कैलेथि. 20 वीं शताब्दीक मध्य में ब्रिटेन सरकार हुनक दूरदर्शिताक देखि एतेक प्रशन्न भेल जे भारतक संग आओर देशक जमीदार के दा कामेश्वर सिंहक रास्ता पर चलवा लेल प्रेरित करवा लेल प्रयास केलह, एकर संगृहि महाराज कें सर उपाधि स सम्मानित केलक. दोसर विश्व युद्धक बाद दुनियाक बदलैत मूर्गोल आ इतिहासक ज्ञान महराज के अद्मूत छल. ओं कहियां काग्रसक मच पर नहिं गेलाह, मुदा अनेक

अह आंदोलन के बिहार में पनपए नहि देलेशि. आसानी स जमीन भेटला स विनोवा बाबू बिहार स आगृ बद्धि गेलाह. आओर ओ आंदोलन बिहार में सक्रिय नहि म राष्ट्रपति बनलाह स नेहरू जी एक प्रकार स बिहार विरोधी म गेलाह जेकर पहिल प्रकोप महाराज कामेश्वर सिंह क झेलह परल. टाटा आ महाराज दू गोट उद्यमी उद्योगक माध्यम स देशक विकास लेल अपन जमीदारी के बचेबाक प्रयास कलेखि टाटा किछ् हद तक सफल म गेलेथि, मुदा दरमंगा महाराजक हार

किस् लोकक कहवा अधि जे राजेंद्र बाबुक मारत पहिल सर्विधान संशोधन रूप में सामने आयल.

उदाहरण प्रस्तुत केलक संयोग एहन जे 2007-8 महराजक जनम शताब्दीक साल थिक. महराजक योगदानक चर्चा एक बेर फेर हुए लागल अप्ति

तखन होइत अछि जगन्नथ मिश्र सन नेता कहैत छीथ जे हुनक महल सरकार किनलक गुदा जग्गूबाबू के केना बुझाउ इ एक रुपया में त ईंटो

निह भेटैरा अछि, महल केना भेटत. राजनीति अपन नहि भ सकेत अछि. मोदित्वक जीत स उपजल सवाल

दुनिया बदली गेल लोकतंत्र सफलता पाओलेथि, दस्तावेज कहैत धीरे-धीरे समेचा विश्व में लोकप्रिय भ रहल अछि बहुत देश में त गणतंत्र अछि जे महाराज एहन दूरदर्शी छलाइ कि 20वीं सदीक आरंभ में

अमेरिकाक लोक क लेल बनल आम आदमीक कार के सी स्थापित म रहल अघि. नेपाल ओकर ताजा उदाहरण अप्ति, नेपालक राजा साल बाद भारतक आम आदमीक लेल कार बनेवाक सपना पूरा मेल. 1908 में कार उद्योगक पुरोधा हेनरी फोर्ड अमे. रिकाक आम आदमीक लेल माहल-टी कार बनाउलिधः फोर्ड क सब स महग ब्रांड जगुआर किननिहार टाटा के आइ स पांच साल पहिने एकटा दृश्य झकझोरि देलक. एक

काग्रेस सरकार महाराज के हरेवा

लेल सर्विधान बनलाक किछ महीना

बादे ओहिंगे संशोधन करि देलक

लेकिन सवाल अधि जे महाराज संविधान समाक सदस्य छलाह राज्यसमाक सदस्य रहेत मरलाह, मुदा हुनका आद धरि भारत सरकार या विहार सरकार उद्यित सम्मान नहि देलक हुनक जयती आआ

जगह अप्ति, मुदा इतिहास के बदलल नहि जा सकत अष्ठि, महाराजक महल पर ककरो नाम लिखि देला स हुनक प्रांगन में ककरो प्रतिमा लगा देलाह स अगर राजनीति सफल होइत त जगन्नाथ मिश्र आई बिहारक सबसे महान नेता रहितेथि मुवा ओ मुखियाक चुनाव जितवाक स्थिति में नहि देखि, हुनक किंखु पाप हुनक पुत्र नीतिश घो रहल छैथि भगवान नीतिश के स्वरथ्य राखित, हम आह बिहार निमार्णक गप करेत छी. एहि में महाराजक योगदान के अलग राखि कोनो शुरुआत

हुनका लोकसंत्रक भविष्यक आमास भ गेल. एहन में ओ अपन जमीदारीक वीरेंद्र समयक संग वलवा में विश्वास मह्यम स उद्योग स्थापना शुरू करैत छलाह. ओ सभय के परखेत नेपाल में लोकतंत्रक स्थापना करि

ेर पुण्यतिथि तक राजकीय पर्य नहि अछि. हुनक दू टा महल में दू टा विश्वविद्यालय चलेत अछि. मुदाहनक प्रतिमा कराह् नहि स्थापित भेल. दुरेप त

जतय राज्यस्तर पर अनेक नेता मेला आओर छैथि जिकर राज्य में मोदी सन दबदवा छीनि या रहेन ओ देशक नेता गरि बनी

हुनक जयती केलैशि. अपन इलाका में चीनी आआ. आओर र जूटक संगति कागज उद्योगक अपन ताज के सुरक्षित करि लेलेथि. पुण्यशिथि तक जाल विश्वा देलींचे, हवाइ यातायातक मविष्य देखि मुदा धुनक हत्याक बाद राजा ज्ञानंद मे ओ गप नहि राजकीय पर्व दरमंगा एवियेशनक स्थापना केलेथि. मोटर व्यवसाय से रहल. ओ अपन आखि बद केने छैथि, आइ हुनका नहि अछि, जुडि रॉलस राइस क भारत में वितरक बनलैथि सूचना नेपाल सरकार उद्योगपति बनवा लेल प्ररित क रहल हुनक दूरा महल में दूरा काति क महत्व देत प्रकाशनक क्षेत्र में ठोस पहल अष्ठिः एक बेर फेर दुनिया दरभगाक महाराजक

होइत अछि जगन्नथ मित्र सन नेता कहैत बेर ओहि मंच लेल घन वान कॅलेपि, मू-दान आंदला. छैथि जे हुनक न में हजार बिगहा जमीन दान करि एक प्रकार स ओ महल सरकार किनलक ज्ग्गूबाबू के कोना बुझाच मेटेत अछि, महल कोना

कि एक रूपया में त ईंटो नहि भेटत.

हनका आह

धरि भारत

संरकार या

बिहार सरकार

चित सम्मान

नहि देलक

विश्वविद्यालय

यतैत अछि, गुदा

हुनक प्रतिमा

कतह नहि

स्थापित भेल.

दुख त तखन

रूपेस्वर सिंह

जेना सब कियो अनुमान लयेने रहि, तहिना गुजरातक परिणाम सामने आयल नरेंद्र मोदी विधानसमा चुनाव जीत लेलंथिः नव स्टल त सिर्फ जीतक अंतर कांग्रेस आशा स बेशी खराब प्रदर्शन कंलक, नरेंद्र मोदीक जीत स किसु गय जटल, जाहि में विकास सबसे प्रमुख रहल.

में नहि अधि, अपन राज्यक विकास त रावणों केने रहें, मुदा ओ

विकास स मोदी जीतला, छवि नहि बदलल मोदी गुजरात लेल ठीक छिष्ट, गुजरातक सामाजिक आओर भौगोलिक दशाक अनुरूप हुनक विचार अछि, विकास स ओ चुनाव जीत सकैत छथि, मुदा विकास हुनक छवि नहि बदलि सकैत अछि. मोदी एखन तक चांदीक गुजरात नहीं बनौलेथि अछि, जखन सोनाक लंका बना देनिहार राक्षसे रहला त मोदी आदर्श नेता कोना म जेताह. कम-स-कम भारत मे त नहि भ सकत.

सकला यूपी में माया, बिहार में लालू. मराठा राजनीतिक पूरोया ठाकरे एहन नाम अप्ति जे कहियां मोदी स बेसी राज्य में लोकप्रिय कहल गेल से गुजरातक विकास मोदीक छपि बदित देलक. विक छेलाह या छैथि, युदा भारतीय राजनीति में हिनक उपस्थिति नगण्य ासक आगू सब किए हारी गेल नहि त विहिप आओर पार्टीक अछि सवाल पैवा होइत अछि जे मोवी गुजरात लेल ठीक छैथि विरोधक बावजूद मोदी कंना जीत हासिल कैलंधि, मोदीक जीत स हुनका प्रधानमंत्रीक दावेदार कहल गेल पत्रकार लोकंन शिसरी गेला कि मोदी गुजरातक मुख्यमंत्री बांने सकत ग्रीय, मुदा भारत प्रधानमंत्री एकटा राज्यक लोकप्रिय नेता नहीं बनि सकेंत अप्रि. आ जहां तक विकास स छवि बदलवाक प्रश्न छैक त इ हिंदूं लोकनि के संस्कार

गुजरातक सामाजिक आओर भौगोलिक दशाक अनुरूप हुनक विवार अछि, मुदा भारत में भोदी ठाकरे, लाजू आओर गाया सन राज्यस्तर पर लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्रीक दावेदार नहि मय सकैत अठि आआ र जहां तक विकासक सवाल अधि त मोदी एखन तक सोनाक गुजरात नहीं बना सकलैथि जखन संनाक लका बना देनिहार राक्षसं रहता त शोदी आदर्श नेसा कोना य जेताह कम-स-कम मास्त गे त नहि म सकता

जगह नहि पाबि रहल अधि प्रधानमंत्रीक दर्शनो दूरदर्शने पर होइत अछि, पितारी हुए या नंद. ीगाम खबरिया चैनल पर अमितामक बेटाक विवाह देखबैत रहल. लोक आकरा देखबा लेल

टोली के अपना लग रखबा लेल खबरिय चैनल कोनो सीमा तक जाइ लेल तैयार अछि जीना अखबारक दुनिया में सेही बदलाव आयल अप्ति. दैनिक माष्कर सन अखबार आम लांकक सुविधा के राजनीति आओर अपराध स बेसी महत्व व रहत अछि, बिहार में प्रभात-खबर एहि बाट पर चलि रहल अक्ति ओना जागरण सन किंदु अखबार अधि जे एखनो मानि रहल अधि जे राजनीयि आओर अपराध सबसे बिकाच अछि, मुदा बिहार के बदलेत माहील स ह भाग म रहल अप्ति जे ओ दिन दूर नहिं जखन राजनी. वि आओर अपराध पर आन विषय सवार म जायत, इ विकास लेल जरूरी अछि आ आशा अछि जे बिक्षारक विकास में अखबारक इ रूप

समाचार स दूर होइत राजनीति आ अपराध

राक्षक स देवता नहि म सकल. गुजरात स पैघ उत्त्यप्रदेश आ कहल जाइत रहल जे समाचारक समबसे विकाउ विषय राजनीति आओर अपराध होड्त अछि मुदा पिछला किछु साल स इ दुनू विषयक प्रति लोकक जिझासा कम म रहल अप्ति जेकर मुख्य कारण आम लोक मुद्दा आब राजनीति में नहि चठाओल जा रहल अधि, सदक, बिजली आओर पाइन पर कांनों दल आदलन नहि करंत अष्ठि, अखबार आओर टीवी पर लोक राजनीति स बेसी खेल आ मनोरंजनक सामग्री बेसी परांद करेत अधि नयी दिल्ली स्थित मीडिया शोध केंद्र सीएमएस के अनुसार 2007 में खबरिया चैनल पर राजनीति स संबंधित समावार लगभग गायब रहत. मनोरंजन, खेल, लोरुचि आओर किछ् हद तक अपराध स संबंधित समावार लोक देखबा में व्यस्त रहल कहबाक मतलब इ

जे लोक आब अपराध आओर राजनीति स अकछ म गेल अछि, आइ खबरिया चैनल कोनो कार्यकम राजनीति स जुडल देखेबाक हिम्मत नि जुटा रहल अछि प्राइम टाइम पर सेही हंसी-मजाकवाला कार्यक्रम आबि रहल अधि एतमे निष्ठ आजनक आओर स्टार त समावार के खेल अओर बालिवुड तक सिमित राखि लोक. प्रियता बरकसमर रखने अछि पैध-पैध घोटाला आड्र वैनल पर

तैयार छैलेचि. नंदीग्रम या निठारीक दर्शकक

संख्या नित्य घटल जा रहल अठि दर्शनक पैछ

सहायक होरात